वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 155 मंगलवार 25 नवम्बर 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर



कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर जयपुर के प्रसिद्ध गलता जी तीर्थ में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। सुबह से ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु गलता जी पहुंचने लगे और पवित्र कुंड में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया।

श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए किया सर्वस्व अर्पित

राजनीति सत्ता का नहीं, सेवा का माध्यम: भजनलाल

श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व: सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए किया सर्वस्व अर्पित

मुख्यमंत्री ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को किया नमन, टेका मत्था

जयपुर. शाबाश इंडिया

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्री गुरु नानक देव जी के 557वें प्रकाश पर्व के पावन अवसर पर राजापार्क में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी को नमन किया, मत्था टेका और प्रदेशवासियों से श्री गुरू नानक देव जी के प्रेम, सेवा, समानता और मानवता के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंधकार और चुनौतियों के दौरान श्री गुरु नानक देव जी ने बिना किसी भय के सत्य का बिगुल बजाया। उनकी हजारों मील की कठिन यात्राओं में दुर्गम बाधाएं आईं, लेकिन वे कभी नहीं रुके। उनका जीवन हमें सिखाता है कि चुनौतियां होने के बावजूद एक सच्चे सेवक को घबराए बिना अपने लक्ष्य और समाज के कल्याण के प्रति समर्पित रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी का संदेश है कि ईश्वर का स्मरण करें, ईमानदारी और परिश्रम से कमाएं और जरूरतमंदों के साथ बांटें। इस संदेश से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार प्रदेश के विकास, जनसेवा और अंतिम छोर के व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। हमारे लिए राजनीति सत्ता का नहीं, बल्कि सेवा का माध्यम हैं।

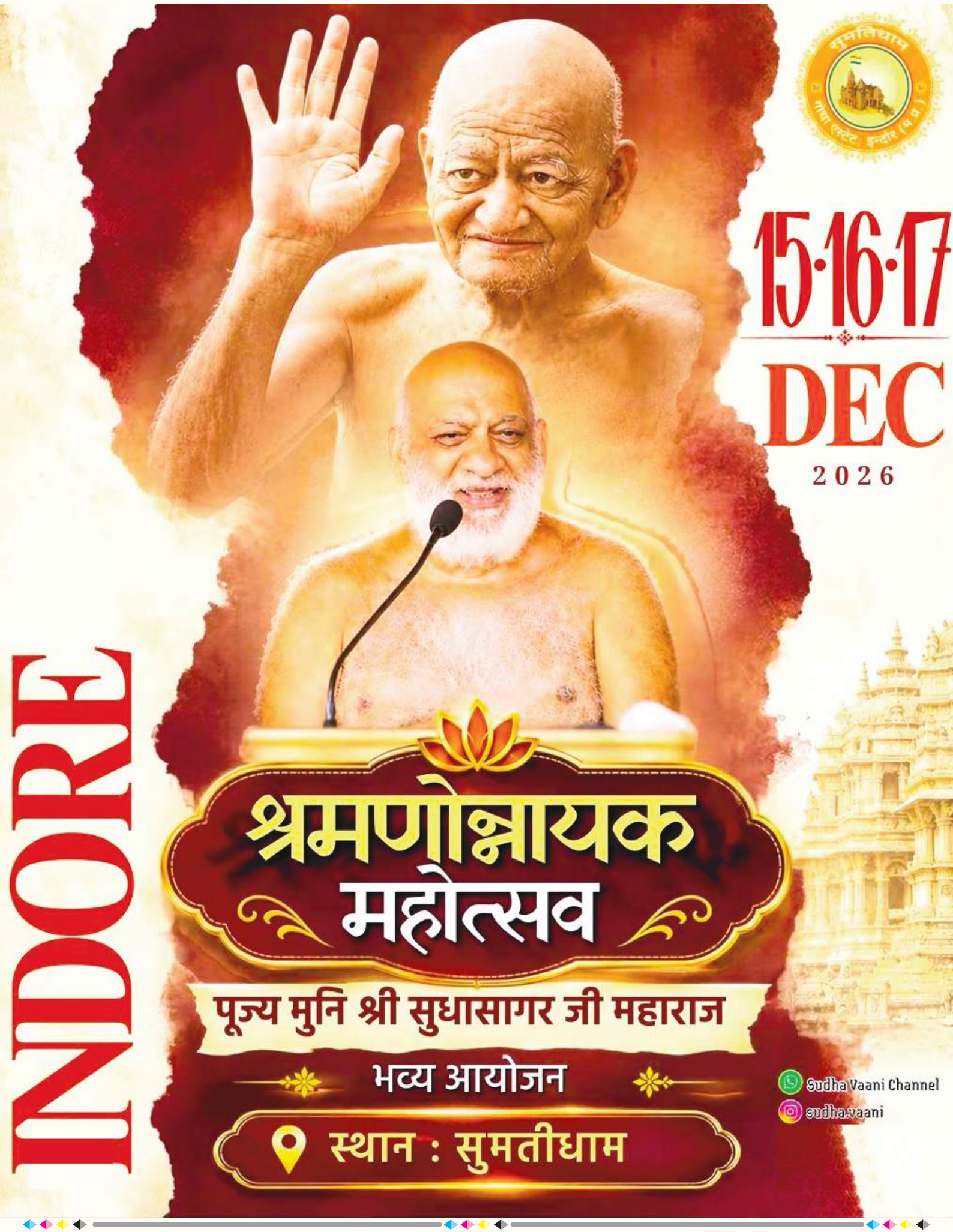


लंगर सेवा समानता और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी ने समाज को सिखाया कि ईश्वर एक है और उसकी नजर में सभी मनुष्य समान हैं। सच्चा धर्म अच्छे कर्म, ईमानदारी और मानव सेवा में ही निहित है। लंगर सेवा समानता और सेवा भावना का अनुपम उदाहरण है। उन्होंने सिख गुरुओं के त्याग, समर्पण, साहस और बलिदान की महान परंपराओं का स्मरण करते हुए कहा कि सिख गुरुओं ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व अर्पित कर दिया। उन्होंने नौवें गुरु श्री गुरु तेग बहादुर जी को नमन करते हुए कहा कि धर्म और आस्था की स्वतंत्रता तथा मानव अधिकारों की रक्षा के लिए उनका बलिदान अद्वितीय है। दसवें गुरु श्री गुरु गोविंद सिंह जी का जीवन त्याग, वीरता और धर्म की रक्षा का उत्कृष्ट उदाहरण है।

पीएम ने किया करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने करतारपुर कॉरिडोर खोलने का ऐतिहासिक निर्णय कर करोड़ों श्रद्धालुओं की भावनाओं का सम्मान किया। वहीं, श्री गुरु गोविंद सिंह जी के साहिबजादों की शहादत की स्मृति में 26 दिसम्बर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत कर प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी को उनके अदम्य साहस, त्याग और बलिदान से परिचित कराने का महत्वपूर्ण कार्य किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सिख समुदाय के कल्याण, उत्थान और धार्मिक आस्था से जुड़े स्थलों के विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में जयपुर स्थित गुरुद्वारा श्री तेग बहादुर साहिब जी तथा अनूपगढ़ स्थित बुड्ढा जोहड़ गुरुद्वारा में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिख समुदाय के विद्यार्थियों के छात्रावास हेतु भूमि का आवंटन हो चुका है तथा इसका कार्य शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा।


15·16·17
DEC
2026
INDORE
श्रमणोन्नायक
महोत्सव
पूज्य मुनि श्री सुधासागर जी महाराज
भव्य आयोजन
स्थान : सुमतीधाम
Sudha Vaani Channel
sudha.vaani

16 दिसंबर को जयपुर में भव्य जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव



जयपुर. शाबाश इंडिया। राजस्थान की गुलाबी नगरी जयपुर में आगामी 16 दिसंबर को जैन धर्म, त्याग, तपस्या और वैराग्य का भव्य आयोजन होगा। श्रमण संस्कृति के महामहिम परम पूज्य पट्टाचार्य भगवंत श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज ससंघ के मंगल सान्निध्य एवं परम पूज्य कुल गौरव श्रुतसंवेगी महाश्रमण मुनि श्री 108 आदित्यसागर जी महाराज के पावन करकमलों से जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव आयोजित होगा। इस अवसर पर ब्रह्मचारी अतिशय भैया, ब्रह्मचारी विशाल भैया एवं ब्रह्मचारी रोहित भैया सांसारिक जीवन का त्याग कर जैनेश्वरी दीक्षा अंगीकार करेंगे। दिगंबर जैन परंपरा में मुनि दीक्षा को आत्मशुद्धि, पूर्ण वैराग्य और मोक्ष मार्ग की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव माना जाता है। दीक्षा के माध्यम से साधक सांसारिक मोह-माया और भौतिक वस्तुओं का त्याग कर आत्मसाधना में लीन होता है। दीक्षा के पश्चात साधक पांच महाव्रत, पांच समितियों, इंद्रिय निरोध, केशलोंच सहित 28 मूलगुणों का पालन करते हुए संयममय जीवन अपनाता है। मुनिराज अपने तप, त्याग और उपदेशों से समाज को धर्म एवं नैतिकता की प्रेरणा देते हैं।

6 दिसंबर से शुरू होंगे मंगल आयोजन

महोत्सव की शुरूआत 6 दिसंबर को परम पूज्य श्रुतसंवेगी महाश्रमण मुनि श्री 108 आदित्यसागर जी महाराज ससंघ की जयपुर में भव्य अगवानी के साथ होगी। 6 से 11 दिसंबर तक विभिन्न कॉलोनियों में संघ का मंगल प्रवास रहेगा। 12 दिसंबर को वीटी रोड ग्राउंड, मानसरोवर में भव्य मंगल प्रवेश होगा। 13 दिसंबर को मंगल प्रवचन एवं भक्तामर विधान आयोजित होगा। 14 दिसंबर को दोपहर में दीक्षार्थी भाइयों का हल्दी-मेहंदी समारोह तथा शाम को भव्य विनौली महोत्सव होगा। 15 दिसंबर को परम पूज्य पट्टाचार्य भगवंत श्री 108 विशुद्धसागर जी महाराज एवं मुनि श्री 108 आदित्यसागर जी महाराज ससंघ का भव्य मंगल मिलन, मंगल प्रवचन एवं गणधर वलय विधान होगा। इसी दिन शाम 7 बजे भव्य भक्ति संगीत कार्यक्रम 'ऋषभ संभव कॉन्सर्ट' आयोजित किया जाएगा।

16 दिसंबर को दीक्षा, 17 को महापारणा

16 दिसंबर को दोपहर 12:30 बजे भव्य जैनेश्वरी दीक्षा महोत्सव संपन्न होगा। इसमें तीनों ब्रह्मचारी भाई दीक्षा अंगीकार कर संयम पथ पर अग्रसर होंगे। इसके पश्चात 17 दिसंबर को महापारणा का आयोजन होगा।

आयोजन स्थल एवं समिति

दीक्षा महोत्सव आर.एच.बी. ग्राउंड, वीटी रोड, पैसिफिक मॉल के पीछे, मानसरोवर, जयपुर में आयोजित होगा। आयोजन आदित्य प्रेरणा मंच एवं दीक्षा महोत्सव समिति, जयपुर के तत्वावधान में किया जा रहा है। समिति में शिरोमणि संरक्षक श्री अशोक चांदवाड़, मुख्य संयोजक श्री सुनील पहाड़िया, संयोजक श्री पवन-संजय छाबड़ा, अध्यक्ष श्री दीक्षान्त हाड़ा, महामंत्री श्री अंकित चांदवाड़ एवं कोषाध्यक्ष श्री राहुल जैन आयोजन की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। सकल दिगंबर जैन समाज, जयपुर की ओर से देशभर के जैन समाज एवं श्रद्धालुओं से सपरिवार महोत्सव में सम्मिलित होकर धर्म लाभ एवं पुण्यार्जन करने की अपील की गई है।



प्रियंका जैन ✍
वैशाली, जयपुर

आचार्य विद्यासागर जी महाराज के जयकारों के साथ गायत्री नगर में जीव कल्याण योजना का शुभारंभ





जयपुर. शाबाश इंडिया। परम पूज्य आचार्य शिरोमणि श्री विद्यासागर जी महाराज की प्रेरणा से श्री दिगंबर जैन मंदिर प्रबंध समिति, गायत्री नगर, महारानी फार्म, दुगार्पुरा की ओर से 23 नवंबर को जीव कल्याण योजना का शुभारंभ किया गया। मंदिर में अभिषेक एवं शांतिधारा के बाद समिति पदाधिकारियों ने उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं के समक्ष योजना के पोस्टर का विमोचन किया। इस दौरान मूलनायक भगवान आदिनाथ एवं आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के जयकारों के साथ योजना का शुभारंभ हुआ। जैन समाज के प्रचार संयोजक उदयभान जैन बड़जात्या ने बताया कि मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अरुण शाह के नेतृत्व में योजना शुरू की गई है। इस अवसर पर अरुण शाह ने आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के जीव कल्याण से जुड़े कार्यों एवं प्रेरणादायी प्रसंगों का उल्लेख करते हुए योजना के उद्देश्य बताए। उन्होंने बताया कि योजना के लिए अब तक 108 सदस्यों की सहमति प्राप्त हो चुकी है। योजना के तहत 24 नवंबर को सुबह 8:30 बजे दुगार्पुरा स्थित गौशाला में पशु-पक्षियों को चारा, दाना और पानी उपलब्ध करवाकर सेवा कार्य किया गया। समिति ने घोषणा की कि जयपुर महानगर के विभिन्न स्थानों पर प्रतिदिन मूक पशु-पक्षियों के संरक्षण एवं सेवा के कार्य किए जाएंगे। इस अवसर पर राजेश, चैताली बोहरा, अशोक जैन विधानसभा वाले, उदयभान जैन बड़जात्या, धूपचंद शाह, अशोक-शशि जैन मालपुरा वाले, अशोक जैन निवाई वाले, संतोष गंगवाल एवं सुरेश रघु विहार सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रेषक: उदयभान जैन बड़जात्या

राजनीति

कार्तिक पूर्णिमा का पावन संदेश

कांतिलाल मांडोत

कार्तिक पूर्णिमा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक परंपरा का पवित्र एवं महिमामय पर्व है। यह दिन चंद्रमा की पूर्ण आभा और दीपों की जगमगाहट के साथ आत्मिक जागरण, धर्म, त्याग, तपस्या, करुणा और मानव कल्याण का संदेश देता है। इस तिथि के साथ चातुर्मास की समाप्ति भी जुड़ी है। चार महीनों की साधना, संयम और आत्मचिंतन हमें अपने जीवन का मूल्यांकन कर सद्गुणों को अपनाने की प्रेरणा देते हैं। इस अवसर पर उन महापुरुषों का स्मरण विशेष महत्व रखता है, जिन्होंने अपने विचारों और आचरण से समाज को नई दिशा दी। कार्तिक पूर्णिमा का संबंध लौंकाशाह, आचार्य हेमचंद्र, श्रीमद् राजचंद्र और गुरु नानकदेव जैसी महान विभूतियों से भी है। धर्म, दर्शन, साहित्य और मानव कल्याण के क्षेत्र में इनका योगदान भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है। इन सभी ने उपदेश देने के साथ अपने जीवन में आदर्शों को अपनाकर उदाहरण प्रस्तुत किया। लौंकाशाह जैन धर्म के इतिहास में निर्भीक धर्म सुधारक के रूप में स्मरण किए जाते हैं। धार्मिक क्षेत्र में कर्मकांड और आडंबर के बढ़ते प्रभाव के बीच उन्होंने सत्य एवं शास्त्रसम्मत आचरण का पक्ष लिया। गृहस्थ श्रावक होते हुए भी उनका अध्ययन, आत्मबल और धर्म के प्रति समर्पण असाधारण था। उन्होंने जैन आगमों के अध्ययन के माध्यम से धर्म के वास्तविक स्वरूप को समझने पर बल दिया। उनका मानना था कि धर्म का आधार आत्मशुद्धि, संयम और सदाचार है, न कि बाहरी प्रदर्शन। विरोध के बावजूद वे अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे। उनका जीवन सत्य के मार्ग पर साहसपूर्वक चलने की प्रेरणा देता है। महान जैन आचार्य हेमचंद्र विद्वान, साहित्यकार, व्याकरणाचार्य और समाज सुधारक थे। उन्होंने व्याकरण, न्याय, कोश और जैन दर्शन पर अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथों की रचना की। तत्कालीन शासक सिद्धराज जयसिंह और कुमारपाल भी उनके ज्ञान से प्रभावित थे। उन्होंने शासकों को समझाया कि प्रतिष्ठा वैभव से नहीं, बल्कि प्रजा के सुख और कल्याण से मिलती है। कुमारपाल से जुड़ा उनका प्रसंग बताता है कि जब गरीब और असहाय लोग अभाव में जीवन बिताने को विवश हों, तब राजसी वैभव पर गर्व करना उचित नहीं। उनका जीवन परोपकार और जनकल्याण को सच्चे धर्म का आधार मानने की सीख देता है। श्रीमद् राजचंद्र का जीवन आत्मज्ञान, सत्य और नैतिकता का अनुपम उदाहरण है।

संपादकीय

यूपी में गठबंधन की असली परीक्षा अभी बाकी है...

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में अभी कुछ महीने बाकी हैं, लेकिन समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे की शुरूआती बातचीत ने ही विपक्षी एकता की चुनौतियां उजागर कर दी हैं। 2027 की लड़ाई केवल भाजपा बनाम विपक्ष की नहीं होगी, बल्कि विपक्षी दलों के बीच राजनीतिक हिस्सेदारी, हैसियत और भविष्य की भी परीक्षा होगी। एक ओर कांग्रेस 131 सीटों की मांग कर रही है, तो दूसरी ओर सपा ने महज 26 सीटों



का प्रस्ताव रखा है। यह अंतर दोनों दलों की राजनीतिक सोच और अपनी ताकत के आकलन को दर्शाता है। आंकड़ों पर नजर डालें तो 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 399 सीटों पर चुनाव लड़कर केवल 2 सीटें जीती थीं, जबकि सपा ने 111 सीटें हासिल की थीं। वर्ष 2017 में दोनों दलों ने गठबंधन किया था, लेकिन तब भी सपा को 54 और कांग्रेस को केवल 7 सीटें मिली थीं। इन्हीं नतीजों के आधार पर सपा का तर्क है कि सीटों का बंटवारा मांग या राजनीतिक पहचान से नहीं, बल्कि जीतने की क्षमता से होना चाहिए। रामगोपाल यादव के मुताबिक, कांग्रेस को उसकी जीती हुई 2 सीटों, दूसरे स्थान पर रही 4 सीटों और 20 अन्य सीटों का प्रस्ताव दिया गया है। दूसरी ओर कांग्रेस का मानना है कि गठबंधन में उसे सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। इमरान मसूद का यह कहना कि कांग्रेस भीख नहीं मांग रही, बल्कि सहयोग चाहती है, पार्टी की मनोदशा को स्पष्ट करता है। कांग्रेस के लिए यह केवल सीटों का सवाल नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश में संगठन को मजबूत करने और राजनीतिक अस्तित्व बचाने की चुनौती भी है। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा के साथ गठबंधन करके कांग्रेस ने 6 सीटें जीती थीं, जबकि सपा को 37 सीटें मिली थीं। हालांकि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के समीकरण अलग होते हैं। विधानसभा में स्थानीय नेतृत्व, जातीय समीकरण, प्रत्याशी और संगठन की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। यहीं गठबंधन की असली चुनौती सामने आती है। कांग्रेस अधिक सीटें लेकर अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करना चाहती है, जबकि सपा अपने पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) समीकरण को प्राथमिकता दे रही है। दोनों की चिंताएं अपनी जगह उचित हैं, लेकिन गठबंधन की सफलता के लिए व्यक्तिगत राजनीतिक हितों से ऊपर साझा रणनीति जरूरी है। सीटों की खींचतान लंबी चली तो इसका सीधा लाभ भाजपा को मिल सकता है। कांग्रेस को अपनी मांग के समर्थन में मजबूत उम्मीदवारों, संगठन और जीत की संभावनाओं का ठोस आधार प्रस्तुत करना चाहिए। वहीं सपा को भी उन क्षेत्रों में कांग्रेस की राजनीतिक ताकत का सम्मान करना होगा, जहां उसका पारंपरिक जनाधार मौजूद है। अमेठी और रायबरेली जैसे क्षेत्रों को केवल सीटों के गणित से नहीं, बल्कि उनके राजनीतिक महत्व को ध्यान में रखकर देखना चाहिए। इसके साथ ही दोनों दलों को सीटों से आगे बढ़कर साझा चुनावी एजेंडा भी तैयार करना होगा।

–राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सोच में बदलाव की जरूरत

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

किसी समाज की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल आर्थिक समृद्धि और तकनीकी विकास से नहीं, बल्कि इस बात से भी होता है कि वहां महिलाओं को कितना सम्मान, सुरक्षा और समानता प्राप्त है। जिस समाज में महिलाएं भयमुक्त होकर शिक्षा, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में भागीदारी नहीं निभा सकतीं, वहां विकास का दावा अधूरा है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा केवल शारीरिक आक्रमण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें घरेलू प्रताड़ना, दहेज उत्पीड़न, यौन हिंसा, मानव तस्करी, जबरन विवाह और डिजिटल माध्यमों से होने वाला उत्पीड़न भी शामिल है। इसी समस्या के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिवर्ष 25 नवंबर को महिलाओं के विरुद्ध हिंसा उन्मूलन का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का ऐतिहासिक संबंध डोमिनिकन गणराज्य की तीन राजनीतिक कार्यकर्ता बहनों पात्रिया, मिनर्वा और मारिया टेरेसा मिराबाल से है, जिनकी 25 नवंबर 1960 को हत्या कर दी गई थी। उनकी स्मृति में महिला अधिकार कार्यकताओं ने 1981 में इस दिन को महिलाओं के विरुद्ध हिंसा के उन्मूलन के लिए समर्पित किया। बाद में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1999 में इसे आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय दिवस घोषित किया। इसका उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों, समानता और सुरक्षा के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना है। महिलाओं के विरुद्ध हिंसा की जड़ें अक्सर उन सामाजिक धारणाओं में होती हैं, जो पुरुषों को अधिकार और महिलाओं को अधीनता की भूमिका में देखती हैं। परिवार में लड़के और लड़कियों के लिए अलग-अलग नियम, महिलाओं की स्वतंत्रता पर अनावश्यक नियंत्रण और उनकी असहमति को अपमान समझने की प्रवृत्ति असमानता को बढ़ावा देती है। घरेलू हिंसा को पारिवारिक मामला मानकर नजरअंदाज करना भी गंभीर भूल है। विवाह या पारिवारिक संबंध किसी को दूसरे व्यक्ति के साथ हिंसा करने का अधिकार नहीं देते। भारत में महिलाओं की सुरक्षा के लिए कई कानूनी प्रावधान मौजूद हैं। घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम, 2005 महिलाओं को संरक्षण और कानूनी राहत प्रदान करता है। वहीं, कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध और प्रतितोष) अधिनियम, 2013 सुरक्षित कार्यस्थल सुनिश्चित करने का प्रावधान करता है। इसके अतिरिक्त दहेज निषेध अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के तहत भी विभिन्न अपराधों के विरुद्ध कार्रवाई की व्यवस्था है। हालांकि कानूनों की सफलता उनके प्रभावी क्रियान्वयन और पीड़ित महिलाओं को न्याय मिलने पर निर्भर करती है। महिलाओं को अपने अधिकारों और सहायता प्रणालियों की जानकारी होना जरूरी है। हिंसा या आपात स्थिति में 112 पर संपर्क किया जा सकता है। महिला हेल्पलाइन 181 भी कई राज्यों में सहायता उपलब्ध कराती है। इसके अलावा पुलिस, विधिक सेवा प्राधिकरण और महिला सहायता केंद्रों से मार्गदर्शन लिया जा सकता है। शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया सरल और संवेदनशील होनी चाहिए, ताकि पीड़िता भय या सामाजिक दबाव के कारण चुप रहने को मजबूर न हो। डिजिटल युग में ऑनलाइन उत्पीड़न भी महिलाओं की सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन गया है। निजी तस्वीरों का दुरुपयोग, अश्लील संदेश, धमकियां और साइबर पीछा करने जैसी घटनाएं मानसिक तनाव पैदा करती हैं। ऐसी स्थिति में प्रमाण सुरक्षित रखकर साइबर अपराध पोर्टल या पुलिस से सहायता लेना आवश्यक है।

श्री शांतिनाथ भगवान सहित 23 प्रतिमाओं का प्रकट उत्सव श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मनाया





टोंक. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन नस्या, अमीरगंज, टोंक में विराजमान मूलनायक श्री 1008 शांतिनाथ भगवान सहित 23 जिन प्रतिमाओं का प्रकट उत्सव रविवार को विभिन्न धार्मिक आयोजनों के साथ श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मनाया गया। समाज के प्रवक्ता पवन कंटान एवं कमल सर्राफ ने बताया कि कार्तिक मास के तेरस के पावन अवसर पर वर्ष 2008 में महावीर नगर क्षेत्र में राजके वाले बाबा के समीप एक निजी प्लॉट में भूगर्भ से 23 जैन प्रतिमाएं प्राप्त हुई थीं। इन प्रतिमाओं को श्री दिगंबर जैन नस्या, अमीरगंज में विराजमान किया गया, जहां श्रद्धालु प्रतिदिन दर्शन एवं पूजा-अर्चना कर धर्म लाभ प्राप्त करते हैं। प्रकट उत्सव पर श्रद्धालुओं ने णमोकार महामंत्र का सामूहिक पाठ किया। इसके बाद भक्तामर स्तोत्र के 48वें काव्य का भक्तिपूर्वक वाचन एवं भव्य महाआरती की गई। धार्मिक आयोजनों से मंदिर परिसर भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने भगवान के समक्ष मंगल प्रार्थना कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस अवसर पर अशोक श्यामपुर वाले, धर्मचंद ककोड़, पारस ओम, कुशल जैन शंभू श्यामपुरा, विकास सूतड़ा, नितिन अग्रवाल, नीटू छामुनिया, विमल बरवास, विकास अत्तार, ओम ककोड़, महामंत्री धर्मेंद्र जैन पासरोटिया, धर्मचंद दाखिया, रमेश काला, पप्पू नमक एवं डॉ. चेतन जैन सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय में झंकार सप्ताह का आगाज, प्रतियोगिताओं में छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा





ब्यावर. शाबाश इंडिया

श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति द्वारा संचालित श्री वर्द्धमान कन्या महाविद्यालय में सामाजिक एवं सांस्कृतिक सप्ताह ''झंकार-2026'' का शुभारंभ प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा एवं संयोजिका निधि पंवार ने नवकार मंत्र की स्तुति के साथ किया। प्रथम दिवस रंगोली, आर्ट एंड क्राफ्ट एवं युगल नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ, जिसमें छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रंगोली प्रतियोगिता में दीपिका अजमेरा एवं दिव्या अजमेरा ने प्रथम, कशिश चंदनानी एवं तन्वी अग्रवाल ने द्वितीय तथा चक्षु गहलोत एवं साक्षी चौहान ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक सीमा सोनी एवं राधिका झंवर रहीं। आर्ट एंड क्राफ्ट प्रतियोगिता में वैशाली सोनी ने प्रथम, चक्षु गहलोत ने द्वितीय तथा निशा सोनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक डिम्पल यादव एवं हर्षिता सोनी रहीं। युगल नृत्य प्रतियोगिता में तन्वी अग्रवाल एवं योगिता नायक ने प्रथम, आराध्या पालीवाल एवं राधिका पालीवाल ने द्वितीय तथा भव्या एवं हिमानी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निर्णायक की भूमिका पिंकी उपाध्याय एवं मीनाक्षी धूत ने निभाई। प्राचार्य डॉ. आर.सी. लोढ़ा ने कहा कि सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों से छात्राओं का सर्वांगीण विकास होता है। ऐसे आयोजनों से उनमें आत्मविश्वास, रचनात्मकता, अनुशासन एवं समर्पण जैसे गुण विकसित होते हैं। श्री वर्द्धमान शिक्षण समिति के मंत्री डॉ. नरेंद्र पारख ने कहा कि छात्राओं को शिक्षा के साथ कला, संस्कृति एवं रचनात्मक गतिविधियों में आगे बढ़ने के अवसर देना आवश्यक है। ऐसे आयोजन उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करते हैं। कार्यक्रम के अंत में विजेता छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। झंकार सप्ताह का प्रथम दिवस उत्साह एवं उमंग के साथ संपन्न हुआ।

राष्ट्रीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन कार्यालय का शुभारंभ





जबलपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के 31वें राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों के तहत संस्कारधानी जबलपुर के बड़ा फुहारा स्थित राष्ट्रीय अधिवेशन कार्यालय का विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यालय का शुभारंभ फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी के मुख्य आतिथ्य एवं निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन, इंदौर रीजन सचिव संजय पापड़ीवाल, रीजन अध्यक्ष सीए मनोज जैन, अधिवेशन सचिव रश्मि अमित पारस, प्रदीप सुनीता लक्ष्मी, अधिवेशन कोषाध्यक्ष श्रेयांश मीना जैन, सतीश विमला वर्धमान एवं सुनील चित्रा घीया ने दीप प्रज्वलित कर किया। मंगलाचरण एवं मांगलिक क्रियाएं सचिन कीर्ति जैन ने संपन्न कराईं। फेडरेशन के राष्ट्रीय मीडिया संयोजक नितिन जैन ने बताया कि 31वां राष्ट्रीय अधिवेशन 3 जनवरी 2027 को मां नर्मदा के पावन तट पर स्थित ओरिका रिसोर्ट, नागपुर रोड, जबलपुर में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप जबलपुर संस्कारधानी के तत्वावधान में आयोजित होगा। अधिवेशन में देशभर के 350 से अधिक ग्रुपों से 1000 से अधिक दंपति सदस्यों के शामिल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह अधिवेशन सामाजिक एकता, पारिवारिक सौहार्द एवं संगठनात्मक सहभागिता का उत्सव होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोहर झांझरी, निवर्तमान राष्ट्रीय अध्यक्ष राकेश विनायका, राष्ट्रीय महासचिव विनय जैन एवं राष्ट्रीय संयुक्त महासचिव संजय पापड़ीवाल ने अधिवेशन संबंधी जानकारी देते हुए सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। अधिवेशन सचिव रश्मि अमित पारस ने तैयारियों की जानकारी दी। फेडरेशन के अतिरिक्त महासचिव प्रवीण सिंघई एवं प्रदीप जैन भी उपस्थित रहे। प्रशांत जैन ने इंदौर में 27 दिसंबर को आयोजित होने वाले जैन युवक-युवती परिचय सम्मेलन की जानकारी दी। कार्यक्रम में महाकोशल-विंध्य रीजन के निवर्तमान अध्यक्ष प्रदीप ममता जैन, जबलपुर संस्कारधानी ग्रुप अध्यक्ष प्रदीप लक्ष्मी जैन, सचिव चित्रा सुनील घीया, कोषाध्यक्ष अनिल आरती जैन, पूर्व अध्यक्ष अमित रश्मि पारस, शरद तारा डागा, राजेंद्र संगीता जैन, वीरेंद्र मंजु, देवेंद्र जैन एवं यतीन्द्र प्रीति सिंघई सहित विभिन्न सोशल ग्रुपों के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि महाकोशल-विंध्य रीजन के सभी ग्रुपों के सहयोग एवं सामूहिक प्रयासों से अधिवेशन सफल और यादगार बनेगा। कार्यक्रम का संचालन सतीश वर्धमान ने किया तथा आभार राष्ट्रीय उपाध्यक्ष संजय चौधरी ने व्यक्त किया। कार्यालय के शुभारंभ के साथ ही राष्ट्रीय अधिवेशन की तैयारियों ने गति पकड़ ली है।

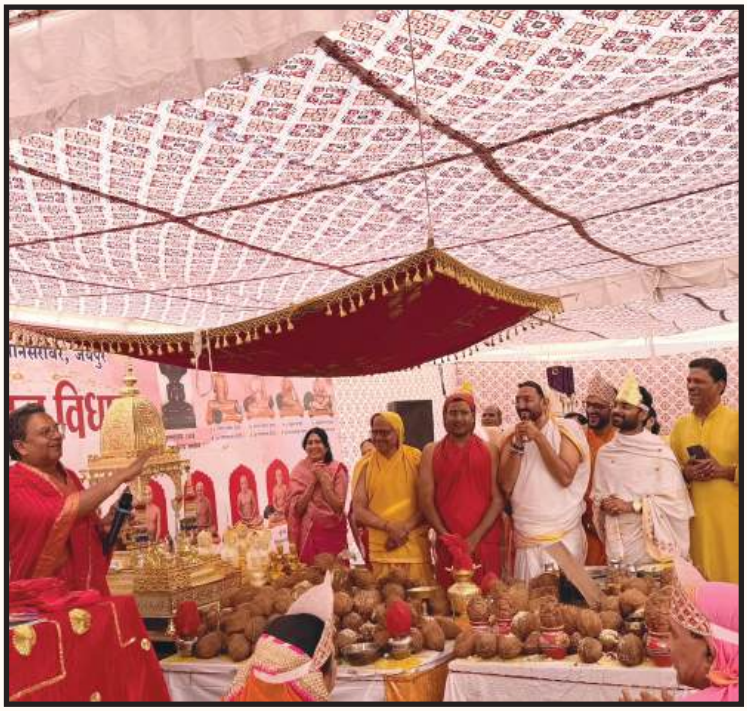
आदिनाथ चालीसा एवं भक्तामर पाठ का आयोजन, ऋद्धि मंत्रों से प्रज्वलित किए 48 दीप

टोंक. शाबाश इंडिया। परम पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी की प्रेरणा एवं आशीर्वाद से आदिनाथ शुभकामना परिवार, पुरानी टोंक की ओर से कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मंगलवार को बज भवन में आदिनाथ चालीसा एवं भक्तामर पाठ का आयोजन किया गया। संयोजक मधु लुहाड़िया ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं मंगलाचरण के साथ हुआ। इसके बाद भक्तामर स्तोत्र के 48 ऋद्धि मंत्रों का उच्चारण करते हुए 48 दीप प्रज्वलित किए गए। श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से आदिनाथ चालीसा का पाठ किया तथा भक्ति नृत्य प्रस्तुत किए। आर्यिका स्वस्ति भूषण माताजी के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर विनतियां प्रस्तुत की गईं। अंत में भगवान की आरती के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर संजू, संतोष, कम्मो, रानी, इंदिरा, प्रेमलता, मधु, रिंकू, चंद्रकांता, रेणु, अनीता, तरुणा एवं सुमन सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं। आयोजक सरोज जैन बज ने सभी का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर स्वागत किया तथा अल्पाहार करवाकर आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही परम पूज्य मुनि श्री पुलक सागर जी महाराज ससंघ के स्वस्ति धाम में मंगल प्रवेश पर आदिनाथ शुभकामना परिवार की सदस्यों ने स्वस्ति धाम पहुंचकर गुरुवर से आशीर्वाद लेने का कार्यक्रम भी बनाया।



राधा निकुंज जैन मंदिर में अष्टान्हिका विधान एवं लघु पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन





जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, राधा निकुंज, मानसरोवर में परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशद सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में अष्टान्हिका विधान एवं लघु पंचकल्याणक महोत्सव भक्तिभाव एवं धार्मिक उल्लास के साथ आयोजित किया जा रहा है। मानव जैन ने मीडिया को बताया कि महोत्सव के अंतर्गत दीक्षा कल्याणक की धार्मिक क्रियाओं के बाद महामुनिराज की आहार चर्या का विशेष आयोजन हुआ। मुनि श्री विशाल सागर जी महाराज ने आहार चर्या की विधि संपन्न करवाई। इस अवसर पर श्री विजय पाण्ड्या को राजा श्रेयांस एवं श्री अभिषेक शाह को राजा सोम के रूप में महामुनिराज को प्रथम आहार कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्रद्धालुओं ने इस पावन प्रसंग के साक्षी बनकर धर्मलाभ प्राप्त किया। इसके बाद केवलज्ञान कल्याणक से संबंधित धार्मिक क्रियाएं विधि-विधान एवं मंत्रोच्चार के साथ संपन्न हुईं। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में उत्साह एवं भक्ति का माहौल रहा। आचार्य श्री के सानिध्य में आयोजित यह महोत्सव श्रद्धालुओं को धर्म आराधना, संयम, त्याग एवं आत्मकल्याण की प्रेरणा दे रहा है।

धुलियान में भगवान सम्भवनाथ का जन्म कल्याणक मनाया



धुलियान (मुर्शिदाबाद). शाबाश इंडिया। कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा एवं अष्टानिका पर्व के अंतिम दिन धुलियान स्थित जैन मंदिर में भगवान सम्भवनाथ का जन्म कल्याणक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अभिषेक एवं शांतिधारा के बाद भगवान को जन्म कल्याणक का अर्घ्य अर्पित किया गया। मंदिर में 8 से 12 वर्ष तक के बच्चे अवकाश के दिनों में पहुंचकर स्वयं अभिषेक एवं शांतिधारा कर रहे हैं। वे धार्मिक विधियों के साथ अर्घ्य और शांतिधारा के मंत्रों का उच्चारण कर पूजा-अर्चना में भाग ले रहे हैं। बच्चों ने संकल्प लिया है कि विद्यालय के अवकाश के दौरान वे नियमित रूप से मंदिर आएंगे और धार्मिक गतिविधियों में सहभागी बनेंगे। बच्चों की आस्था एवं उत्साह से मंदिर परिसर में भी उत्साह का वातावरण है। संजय कुमार जैन बड़जात्या ने कहा कि लौकिक शिक्षा के साथ बच्चों को धार्मिक संस्कार देना भी अत्यंत आवश्यक है।

अपनों की स्मृति को मानव सेवा के माध्यम से अमर बनाया जा सकता है

दिवंगत कमल कुमार कासलीवाल की स्मृति में 30 दृष्टिबाधित बालिकाओं को कराया सात्विक भोजन



अजमेर. शाबाश इंडिया। दिवंगत कमल कुमार कासलीवाल की पुण्य स्मृति में उनकी धर्मपत्नी इंद्रा कासलीवाल ने लाडली घर की 30 दृष्टिबाधित बालिकाओं को शुद्ध एवं सात्विक भोजन करवाकर सेवा कार्य के माध्यम से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उल्लेखनीय है कि कमल कुमार कासलीवाल का कुछ दिन पूर्व निधन हो गया था। उनकी स्मृति को सेवा और परोपकार से जोड़ते हुए इंद्रा कासलीवाल ने जरूरतमंद बालिकाओं के साथ स्नेह एवं आत्मीयता साझा की। श्री दिगंबर जैन महिला महासमिति की वरिष्ठ राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि इंद्रा कासलीवाल महासमिति की वरिष्ठ सदस्य हैं और सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय रहती हैं। उन्होंने कहा कि अपनों की स्मृति को मानव सेवा के माध्यम से भी अमर बनाया जा सकता है। ऐसे सेवा कार्य समाज में करुणा, संवेदना और परोपकार के मूल्यों को मजबूत करते हैं। इस अवसर पर महिला संभाग अध्यक्ष मधु पाटनी, मंत्री सुषमा पाटनी, इंद्रा कासलीवाल, सर्वोदय कॉलोनी इकाई अध्यक्ष अनामिका सुरलाया, मंत्री रेणु पाटनी, कमला जैन, सरोज जैन, उर्मिला जैन, निक्की जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। स्वर्गीय कमल कुमार कासलीवाल को विनम्र श्रद्धांजलि।

सांगाकाबास में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया भगवान सम्भवनाथ का जन्म कल्याणक



जयपुर. शाबाश इंडिया

जयपुर जिले की डूंगरी कला पंचायत के ग्राम सांगाकाबास स्थित श्री दिगंबर जैन मंदिर में प्राचीन अतिशयकारी मूलनायक भगवान सम्भवनाथ का जन्म कल्याणक श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान का अभिषेक, शांतिधारा, पूजन एवं आरती सहित धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य पदम जैन बिलाला, दूली चंद बिलाला, केवल चंद बिलाला, राजू बिलाला एवं मास्टर आदित बिलाला को प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के पश्चात ग्राम के नवनिर्वाचित सरपंच डॉ. सीताराम सपत्नीक मंदिर पहुंचे। समाज समिति सांगाकाबास के अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने अतिथियों का परिचय दिया। इस अवसर पर मालचंद, विनोद, टीकमचंद, अंजू कला, तारामणि, विमला, कमला, आशा एवं मधु सहित समाजजनों ने उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। सरपंच दंपति ने भी धार्मिक आयोजन में सहभागिता कर श्रद्धा व्यक्त की। इस अवसर पर रतन देवी, किरण, राजेश, तारादेवी, हीरालाल सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। संपूर्ण आयोजन भक्तिमय एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।





आचार्य श्री की नवीन पिच्छिका श्रीमती शांति देवी बैराठी परिवार को मिली

दहमी कलां में भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह संपन्न





जयपुर. शाबाश इंडिया। बगरू के दहमी कलां स्थित प्राचीन ऋषभदेव दिगंबर जैन मंदिर में आचार्य श्री नवीन नंदी गुरुदेव के सान्निध्य में आदिनाथ विधान एवं भव्य पिच्छिका परिवर्तन समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर आचार्य श्री की नवीन पिच्छिका प्रदान करने का सौभाग्य श्रीमती शांति देवी बैराठी परिवार, विद्याधर नगर को प्राप्त हुआ। अध्यक्ष कुलदीप चौधरी एवं मंत्री प्रमोद बाकलीवाल ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान ऋषभदेव के अभिषेक एवं महाशांतिधारा से हुआ। अभिषेक एवं विधान के पुण्यार्जक श्री शुभ जैन, भगचंद-राजकुमारी, प्रवीण-सोनू जैन, प्रेरक-हुत्विक ठोलिया परिवार तथा राजकुमार-श्वेता बोहरा परिवार, जयपुर रहे। चित्र अनावरण पूरणमल-ललिता अनोपड़ा ने किया। दीप प्रज्ज्वलन अध्यक्ष कुलदीप चौधरी, महावीर-सुशीला पाटनी, एम.पी. जैन एवं रमेश ठोलिया ने किया। गुरुदेव के पाद प्रक्षालन का सौभाग्य संरक्षक शिखरचंद, त्रिशला एवं हेमंत परिवार को मिला। शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य धर्मचंद, गौरव, शुभी, आरवी, प्रमोद, प्रिया, प्रशांत एवं दिशा बाकलीवाल परिवार को प्राप्त हुआ। संगठन मंत्री गौरव देव नगर ने बताया कि पिच्छिका परिवर्तन के अवसर पर श्रीमती शांति देवी बैराठी परिवार को नवीन पिच्छिका प्रदान करने का सौभाग्य मिला। आदिनाथ विधान पंडित डॉ. हितेंद्र जैन, मानसरोवर के सान्निध्य में संपन्न हुआ। आरती का सौभाग्य महावीर जी, बगरू जैन समाज तथा महावीर-सुशील पाटनी, बगरू को प्राप्त हुआ। अमित जैन एवं रवींद्र जैन ने बताया कि समारोह में पदमचंद मिठड़ी वाले, अजित जैन, ट्रस्टी रवींद्र जैन, अमित जैन, मनोज छाबड़ा, मुकेश, मनोज पाटनी, नवीन पाटनी, रविकाला, राजकुमार खंडाका, रवि जैन, रूपचंद गंगवाल, पदम भरतपुर सहित महिला मंडल की मधु जैन, सुशीला पाटनी, प्रिया बाकलीवाल एवं अंजू जैन मंगोड़ी वाला सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे। आचार्य कुंथुसागर जी गुरुदेव को अर्घ्य समर्पित करने का सौभाग्य शिखरचंद, त्रिशला, हेमंत बयाना, पूरणमल, ललिता अनोपड़ा, अजित, अंजू मानसरोवर, प्रवीण, सोनू जोबनेर, अमित, रवींद्र, अनिल एवं लक्ष्मी बाकलीवाल को प्राप्त हुआ। मंत्री एवं कार्यक्रम संचालक प्रमोद बाकलीवाल ने सभी अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

देव दिवाली पर मंदिरों के शिखरों पर लहराई नवीन धर्म ध्वजाएं



नौगामा (बांसवाड़ा). शाबाश इंडिया। देव दिवाली एवं अष्टान्हिका महापर्व के समापन अवसर पर सुखोदय तीर्थ नसिया जी स्थित आदिनाथ मंदिर एवं समवशरण मंदिर में दृष्टि दीदी, रमेश चंद्र गांधी एवं भरत पंचोरी के सानिध्य में विशेष अभिषेक एवं शांतिधारा की गई। अष्टान्हिका महापर्व के समापन पर महिला मंडल द्वारा लघु शांतिनाथ विधान एवं कल्पद्रुम महामंडल विधान के अर्घ्य समर्पित किए गए। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी तीनों मंदिरों के शिखरों पर ढोल-नगाड़ों की गूंज और भक्तिमय वातावरण के बीच नवीन धर्म ध्वजाएं फहराई गईं। इस अवसर पर धर्मप्रेमी बंधुओं ने मंदिरों में जिनवाणी भेंट की। तीनों मंदिरों की धर्म ध्वजाओं के पुनार्जन का सौभाग्य पंचोली केसरीमल शांतिलाल को प्राप्त हुआ। शाम को जैन पाठशाला के बच्चों ने भक्तिभावपूर्वक 48 दीप विधान के दीप प्रज्वलित किए। समस्त आयोजन धर्ममय एवं भक्तिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी ने दी।

विश्व शांति महायज्ञ के साथ सिद्धचक्र महामंडल विधान का भव्य समापन, 1024 जिनसहस्रनाम अर्घ्य समर्पित



जयपुर. शाबाश इंडिया। निर्माण नगर स्थित पार्श्वनाथ कॉलोनी के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर में अष्टान्हिका पर्व के अवसर पर आयोजित श्री 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान का मंगलवार को विश्व शांति महायज्ञ एवं भगवान आदिनाथ की भव्य शोभायात्रा के साथ श्रद्धा और भक्तिभावपूर्वक समापन हुआ। परम पूज्य गणिनी आर्यिका 105 विभाश्री माताजी एवं आर्यिका 105 विनयश्री माताजी के ससंघ सान्निध्य तथा पंडित स्वतंत्र भैया जी, भोपाल के निर्देशन में आयोजित विधान में श्रावक-श्राविकाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्मलाभ प्राप्त किया। मंगलवार को विधान के अंतर्गत भगवान आदिनाथ के 1008 नामों की जिनसहस्रनाम धारा संपन्न हुई। इसके बाद शांतिधारा का सौभाग्य पदमचंद-राजरानी, पंकज-ऋद्धि एवं नीरज-डॉ. अंतिमा गगवाल, मीठड़ी वालों को प्राप्त हुआ। चित्र अनावरण, दीप प्रज्ज्वलन, पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट एवं आरती का सौभाग्य सौधर्म इंद्र-लीला देवी, मुकेश कुमार एवं अंजू नागेश्वरिया परिवार को मिला। देव-शास्त्र-गुरु पूजन, नवदेवता पूजन एवं नंदीश्वर द्वीप पूजन के पश्चात आर्यिका 105 विनयश्री माताजी के सान्निध्य में सिद्धों के 1024 जिनसहस्रनाम अर्घ्य समर्पित किए गए। श्रद्धालुओं ने भक्तिभावपूर्वक पूजन-अर्चन कर अर्घ्य चढ़ाए। इसके बाद विश्व शांति, सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की मंगल भावना के साथ विश्व शांति महायज्ञ संपन्न हुआ। इस अवसर पर आर्यिका विभाश्री माताजी ने मंगल प्रवचन में कहा कि प्रेम और वात्सल्य के माध्यम से परिवार, समाज, नगर और राष्ट्र को एकजुट किया जा सकता है। आपसी प्रेम, सद्भाव एवं सहयोग ही समाज की वास्तविक शक्ति है। महायज्ञ के पश्चात भगवान आदिनाथ की भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें श्रावक-श्राविकाओं ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ भाग लिया। इससे पूर्व संध्या पर अष्टान्हिका पर्व के दौरान निराहार आठ दिवसीय उपवास की साधना कर रहे नरेश कुमार एवं मंजू देवी झाझरी तथा कांतिचंद अजमेरा की धर्मपत्नी इंद्रा देवी का सकल समाज की ओर से तिलक एवं माला पहनाकर अभिनंदन किया गया।

निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर में 159 मरीज हुए लाभान्वित

गुलाबपुरा. शाबाश इंडिया। श्री प्राज्ञ मिर्गी रोग निवारक समिति की ओर से माह के चतुर्थ मंगलवार को 24 नवंबर को संस्था परिसर में निःशुल्क मिर्गी रोग शिविर आयोजित किया गया। संस्था के मंत्री पदमचंद खटोड़ ने बताया कि शिविर में जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी कॉलेज एवं हॉस्पिटल, जयपुर के वरिष्ठ न्यूरो फिजिशियन डॉ. आर.के. सुरेखा एवं उनकी टीम ने सेवाएं दीं।



शिविर में 159 मरीजों को परामर्श एवं उपचार का लाभ मिला, जिनमें 15 नए मरीज शामिल थे। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं। शिविर के लाभार्थी स्वर्गीय पन्नालाल, स्वर्गीय झंकार बाई एवं स्वर्गीय प्रेमचंद पगारिया की पुण्य स्मृति में शांता देवी पगारिया, अजमेर रहीं। इस अवसर पर अनिल चौधरी ने मरीजों को मिर्गी रोग से बचाव एवं योग के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए नियमित योगाभ्यास करने पर जोर दिया। मंत्री पदमचंद खटोड़ ने संस्था की गतिविधियों की जानकारी दी। अध्यक्ष घेवरचंद श्रीश्रीमाल ने स्वागत किया तथा कोषाध्यक्ष राजेंद्र चोरड़िया ने आभार व्यक्त किया। लाभार्थी परिवार के निहालचंद पारख ने सभी मरीजों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। शिविर में शांता पगारिया, लीला पारख एवं बालकिशन दगदी ने सेवाएं प्रदान कीं। मरीजों एवं उनके परिजनों के लिए पूरे नवंबर माह की निःशुल्क भोजन सेवा का लाभ पुखराज चौधरी एवं विमला चौधरी, अजमेर ने लिया। इस सेवा से 280 से अधिक व्यक्ति लाभान्वित हुए। शिविर में संस्था के मदनलाल लोढ़ा, मदनलाल रांका, दिलीप पाराशर, दिलीप विश्वकर्मा, रामकृष्ण त्रिपाठी एवं राजेंद्र जायसवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने सेवाएं दीं। शिविर का संचालन अनिल चौधरी ने किया।

दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में पंचमेरु नंदीश्वर मंडल विधान का आयोजन



निवाई. शाबाश इंडिया। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर में अष्टान्हिका महापर्व के उपलक्ष्य में पंचमेरु नंदीश्वर मंडल विधान का आयोजन किया गया। इसमें श्रद्धालुओं ने विधान में शामिल होकर भक्तिभावपूर्वक पूजा-अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि विद्वान पंडित सुरेश शास्त्री के निर्देशन में आयोजित अष्टान्हिका महापर्व के दौरान बड़ा जैन मंदिर सहित शहर के सभी जिनालयों में विशेष पूजा-अर्चना की गई। बड़ा जैन मंदिर में श्रद्धालुओं ने सर्वप्रथम भगवान आदिनाथ, भगवान चंद्रप्रभु एवं भगवान पार्श्वनाथ का मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक कर शांतिधारा की। विधान मंडल में सौधर्म इंद्र लालचंद जैन, ज्ञानचंद सोगानी, महावीर प्रसाद छाबड़ा, अनिल सोगानी, अतुल ठोलिया, शकुंतला छाबड़ा, अंजना ठोलिया, ज्ञानेश्वरी पहाड़ी, प्रेमा कासलीवाल, नीलू जैन, मेना सोगानी एवं चमेली देवी जैन सहित अनेक इंद्र-इंद्राणियों ने देव-शास्त्र-गुरु, भगवान आदिनाथ, चंद्रप्रभु, पार्श्वनाथ एवं पंचमेरु नंदीश्वर मंडल विधान की संगीतमय पूजा-अर्चना की। मीडिया प्रभारी विमल जौंला एवं राकेश संधी ने बताया कि शहर के सभी जैन जिनालयों में अष्टान्हिका महापर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं ने व्रत एवं उपवास भी धारण किए। इस दौरान अनेक धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए।

श्री सिद्धचक्र विधान का समापन आज, 1024 अर्घ्य किए समर्पित







जयपुर. शाबाश इंडिया। बरकत नगर स्थित श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभ मंदिर में अष्टान्हिका पर्व के अंतर्गत चल रहे श्री सिद्धचक्र महामंडल विधान में मंगलवार को 1024 अर्घ्य मंत्रोच्चार के साथ समर्पित किए गए। विधानाचार्य पं. अमित शास्त्री के निर्देशन में आयोजित विधान का समापन 25 नवंबर को हवन एवं विश्व शांति महायज्ञ के साथ होगा। विधान संयोजक मुकेश जैन एवं सतीश जैन अकेला ने बताया कि इस महाविधान के पुण्यार्जक मंदिर बरकत नगर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं समाजसेवी चेतना-चकेश कुमार जैन परिवार हैं। परिवार के यथेष्ट, एवांशी एवं बेबी दिविशा जैन ने भी विधान में सहभागिता की। पुण्यार्जक परिवार ने सौधर्म इंद्र की भूमिका का निर्वहन भी किया। विधान के पश्चात प्रतिदिन पूजार्थियों के लिए पुण्यार्जक परिवार की ओर से वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई। मंत्री प्रकाश चंद जैन सिकंदरा वालों ने बताया कि प्रतिदिन शाम को मंगल आरती एवं अरिहंत महिला मंडल के नेतृत्व में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।



सेवा, सिमरन और साझी मानवता के उजास में नहाया सचखंड दरबार

'धन गुरु नानक प्रगटिया, मिटी धुंध जग चानण होआ' की स्वर-लहरियों के बीच मनाया गया 557वां प्रकाश पर्व

उदयपुर। जब भोर की पहली किरण के साथ गुरुद्वारा सचखंड दरबार में गुरबाणी की मधुर ध्वनि गुंजी, तो वातावरण केवल धार्मिक आस्था से ही नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और मानवता के उजास से भी भर उठा। सिख धर्म के प्रथम गुरु एवं सिंख पंथ के संस्थापक धन-धन श्री गुरु नानक देव जी का 557वां प्रकाश पर्व यहां श्रद्धा,उल्लास और सामाजिक सरोकारों के साथ मनाया गया। दिनभर आयोजित धार्मिक एवं जनसेवा गतिविधियों में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर गुरु घर की खुशियां प्राप्त कीं।





गुरुद्वारा अध्यक्ष सरदार धर्मवीर सिंह सलूजा ने बताया कि प्रकाश पर्व की पावन शुरुआत प्रातः 5 बजे लंगर की तैयारी की सेवा से हुई। संगत और सेवादारों ने विनम्र भाव से सेवा में सहभागिता की। गुरु नानक जयंती के उपलक्ष्य में रखे गए सहज पाठ साहिब जी की समाप्ति सुबह 7 बजे हुई। इसके बाद सुबह 10 बजे विशेष दीवान सजाया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर गुरु चरणों में शीश नवाया।

विशेष दीवान में ज्ञानी अजीत सिंह जी, हज़ूरी रागी महेंद्र सिंह जी तथा पंजाब के फगवाड़ा से पधारे पंथ रत्ना भाई सुखविंदर सिंह जी के रागी जत्थे ने मनमोहक गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत किया। कीर्तन के माध्यम से गुरु नानक देव जी की करुणा, सत्य, समानता, मेहनत और परोपकार पर आधारित शिक्षाओं को संगत तक पहुंचाया गया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु नानक देव जी का संदेश आज भी समाज को भेदभाव से ऊपर उठकर प्रेम, भाईचारे और सेवा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर

प्रकाश पर्व को जनसेवा से जोड़ते हुए गुरुद्वारा परिसर में रक्तदान एवं निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित किया गया। श्रद्धालुओं ने उत्साह के साथ रक्तदान किया और

51 यूनिट रक्त एकत्र

1,000 लोगों ने स्वास्थ्य जांच का लाभ लिया



'वंड छको' की जीवंत मिसाल

दोपहर 1 बजे से गुरु का अटूट लंगर आरंभ हुआ, जो रात्रि 11 बजे तक निरंतर चलता रहा। करीब पांच हजार श्रद्धालुओं ने एक पंगत में बैठकर प्रसाद ग्रहण किया।



गुरुद्वारा परिसर को रंग-बिरंगी रोशनी और पुष्प सज्जा से आकर्षक रूप दिया गया। सिख समाज के लोगों ने अपने घरों में दीप प्रज्वलित कर एवं रंगीन प्रकाश सज्जा कर प्रकाश पर्व की खुशियां मनाई। शाम के विशेष दीवान में बच्चों ने गुरबाणी कीर्तन प्रस्तुत कर संगत को भावविभोर किया। रात्रि में गरम दूध की सेवा और भव्य आतिशबाजी के साथ कार्यक्रमों का उल्लासपूर्ण समापन हुआ।

> "गुरुद्वारा प्रवक्ता हरदीप सिंह सलूजा ने बताया कि समस्त संगत ने नाम जपने, ईमानदारी से मेहनत करने और मिल-बांटकर खाने के गुरु नानक देव जी के संदेशों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया।"

रिपोर्ट: कौशल मूंदड़ा

कचनेर वार्षिक यात्रा महोत्सव में

चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान का भव्य अभिषेक समारोह

देशभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने किए चिंतामणि बाबा के दर्शन, तीन दिवसीय महाप्रसाद का भी हुआ आयोजन



छत्रपति संभाजीनगर। जैन धर्मावलंबियों के प्रमुख श्रद्धा केंद्र श्री 1008 चिंतामणि पार्श्वनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र कचनेर में आयोजित वार्षिक यात्रा महामहोत्सव का अंतिम दिन श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर देशभर से पहुंचे हजारों श्रद्धालुओं ने भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ के दर्शन कर अभिषेक एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लिया।

यह धार्मिक आयोजन आचार्य श्री 108 सुयशगुप्तजी महाराज ससंघ, आर्यिका शुभमती माताजी, आर्यिका सुनयमती माताजी, क्षुल्लक सुपर्वसागरजी महाराज एवं क्षुल्लिका सुलभमती माताजी के सानिध्य में संपन्न हुआ।

बोलियों के माध्यम से श्रद्धालुओं को मिला धार्मिक सौभाग्य

महोत्सव के दौरान विभिन्न धार्मिक क्रियाओं के लिए बोलियां लगाई गई। भगवान के इंद्र-इंद्राणी बनने का सौभाग्य राहुल पालबे परिवार को प्राप्त हुआ। जलाभिषेक एवं शांतिधारा का सौभाग्य राजाबाई, रमनलाल, प्रकाश, अमोल, राजेंद्र, राहुल, संजय, विजय बाकलीवाल एवं पहाड़िया परिवार को मिला। घी अभिषेक का सौभाग्य राहुल धन्यकुमार पालबे को, दूध अभिषेक का सौभाग्य सुनीता, रविंद्र, मयूर पहाड़े परिवार को तथा सर्व औषधि अभिषेक का सौभाग्य सत्यम संदीप महाजन को प्राप्त हुआ।

इसी प्रकार भगवान का विभिन्न रसों से अभिषेक किया गया। भगवान की अर्चना एवं फल अर्पित करने का सौभाग्य सुनील सुंदरलाल पाटनी को प्राप्त हुआ। पूरे आयोजन में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से शामिल होकर धर्मलाभ लिया।

बुधेधर परिवार ने किया तीन दिवसीय महाप्रसाद का आयोजन

मुंबई निवासी सिद्धेश शाह, श्रुति शाह, आशीष शाह, श्वेता शाह तथा पुष्पल, दिया, साची, अस्मी सहित बुधेधर परिवार (पारोलावाले) की ओर से तीन दिवसीय महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के लिए आयोजकों का अभिनंदन किया गया।

आचार्यश्री ने मंदिरों के जीर्णोद्धार को बताया पूरे समाज का दायित्व

धर्मसभा में आचार्य श्री सुयशगुप्तजी महाराज ने कहा कि मंदिरों का जीर्णोद्धार केवल मंदिर समिति की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि संपूर्ण समाज का कर्तव्य है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी सामर्थ्य के अनुसार योगदान दे तो बड़े से बड़ा धार्मिक कार्य भी सहजता से पूरा हो सकता है। दान की राशि से अधिक महत्वपूर्ण यह है कि दान किस भावना से दिया जा रहा है।

उन्होंने जैन धर्म के अहिंसा, अपरिग्रह, त्याग और संयम के सिद्धांतों का पालन करते हुए धार्मिक स्थलों के संरक्षण का आह्वान किया तथा समाज के सभी वर्गों—दानदाताओं, युवाओं, महिलाओं और वरिष्ठ नागरिकों से मंदिरों के जीर्णोद्धार एवं धर्मसंवर्धन में सक्रिय भागीदारी निभाने को कहा।



भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ के प्रति श्रद्धालुओं की अटूट आस्था

कचनेर क्षेत्र की मान्यता के अनुसार भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ की प्रतिमा अत्यंत चमत्कारिक एवं अतिशयकारी है। श्रद्धालुओं की मान्यता है कि भगवान के प्रति सच्ची भक्ति, श्रद्धा और आस्था रखने से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं तथा भगवान का गंधोदक ग्रहण करने से जीवन के दुख, दरिद्रता और संकट दूर होते हैं। भगवान चिंतामणि पार्श्वनाथ को जैन समाज की आस्था और श्रद्धा का प्रमुख केंद्र माना जाता है।

प्रशासन एवं पुलिस विभाग ने संभाली व्यवस्था

वार्षिक यात्रा महोत्सव को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए संस्थान के विश्वस्त मंडल, कार्यकारिणी मंडल, यात्रा नियोजन समिति के संयोजक, सहसंयोजक, सदस्यों एवं कर्मचारियों ने विशेष प्रयास किए। प्रशासन की ओर से तहसीलदार शिवानंद बिडबे के नेतृत्व में तथा पुलिस विभाग की ओर से पुलिस अधीक्षक ग्रामीण पूजा नांगरे के मार्गदर्शन में सुरक्षा एवं व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया।

इस अवसर पर तहसीलदार, कचनेर की सरपंच कमलताई फतपुरे, ग्रामस्थ, संस्थान के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। विधायक विलास भूमरे, पूर्व सांसद चंद्रकांत खैरे, जिला परिषद के धामने पाटील, किशोर चौधरी, बाबासाहेब आडे सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी उपस्थिति दर्ज कराई।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, उपविभागीय अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन ने यात्रा की व्यवस्थाओं पर नजर रखी। कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने के लिए उपविभागीय पुलिस अधिकारी पूजा नांगरे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक राजेंद्र बनसोडे ने व्यवस्था संभाली। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा, यातायात एवं आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की गई थी।

यात्रा की सफलता में विश्वस्त मंडल, यात्रा समिति, कार्यकारिणी मंडल, कचनेर एवं जोडवाडी के सरपंच, ग्राम पंचायत सदस्यों तथा ग्रामस्थों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

ऑनलाइन प्रसारण से हजारों श्रद्धालुओं ने किए अभिषेक के दर्शन

जो श्रद्धालु प्रत्यक्ष रूप से कचनेर नहीं पहुंच सके, उनके लिए प्रमोद गोसावी के चिंतामणि दर्शन यूट्यूब माध्यम से अभिषेक समारोह का ऑनलाइन प्रसारण किया गया। इसके माध्यम से हजारों श्रद्धालुओं ने घर बैठे भगवान के अभिषेक एवं धार्मिक अनुष्ठानों के दर्शन कर धर्मलाभ प्राप्त किया।

इस संबंध में जानकारी सकल जैन समाज के प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा एवं पियूष कासलीवाल ने दी।



भारतीय ज्ञान परंपरा

पत्थरों में धड़कती ज्ञान-परंपरा: मीरा कॉलेज में मंदिर संस्कृति का राष्ट्रीय विमर्श

डॉ. हंसमुख सेठ ने धर्म, दर्शन, मूर्तिकला और स्थापत्य के अंतर्संबंधों को बताया भारतीय संस्कृति का जीवंत दस्तावेज



शोध परियोजना से जुड़ा अकादमिक आयोजन

उदयपुर। राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर में भारतीय ज्ञान प्रणालियों के अंतर्गत राष्ट्रीय विस्तार व्याख्यान और संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन डॉ. दीपक सालवी के निर्देशन में किया गया, जो मेवाड़ और आसपास के क्षेत्रों के सूर्य मंदिरों पर एक शोध परियोजना का नेतृत्व भी कर रहे हैं।

पूजा स्थल से आगे सांस्कृतिक चेतना के केंद्र

मुख्य वक्ता सिटी पैलेस संग्रहालय, उदयपुर के उप क्यूरेटर डॉ. हंसमुख सेठ ने कहा कि भारतीय मंदिर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि ज्ञान, कला, दर्शन, सामूहिक चेतना और सांस्कृतिक संवाद के महत्वपूर्ण केंद्र रहे हैं। उन्होंने मंदिरों को भारतीय जीवनदृष्टि का जीवंत दस्तावेज बताते हुए कहा कि इनका अध्ययन हमारी बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को गहराई से समझने का अवसर प्रदान करता है।

शिखर में ऊर्ध्व यात्रा, गर्भगृह में आत्मिक आलोक

डॉ. सेठ ने मंदिर स्थापत्य, मूर्तिकला और भारतीय दर्शन के अंतसंबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मंदिर का शिखर मनुष्य की ऊर्ध्व यात्रा और आध्यात्मिक उत्कर्ष का प्रतीक है, वहीं गर्भगृह आत्मिक आलोक और आंतरिक एकाग्रता का केंद्र है। मंदिरों की कला, प्रतीक, संरचना और अलंकरण भारतीय ज्ञान-परंपरा की निरंतरता और बैज्ञानिक दृष्टि के भी प्रत्यक्ष प्रमाण हैं।

मेवाड़ के सूर्य मंदिरों पर केंद्रित अध्ययन

आयोजक डॉ. दीपक सालवी ने अपने शोध कार्य की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि उनकी परियोजना में मेवाड़ और आसपास के क्षेत्रों में स्थित सूर्य मंदिरों की ऐतिहासिक, स्थापत्यिक, कलात्मक और सांस्कृतिक विशेषताओं का अध्ययन किया जा रहा हैं। यह शोध क्षेत्र की समृद्ध मंदिर परंपरा को नए अकादमिक परिप्रेक्ष्य में समझने का प्रयास है।

जिज्ञासाओं ने खोले संवाद के नए द्वार

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र का संचालन छात्राओं उषा भील और ललिता गेमेटी ने किया। छात्राओं ने मंदिरों की संरचना, प्रतीकवाद, कला और उनके सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों से जुड़े कई महत्वपूर्ण प्रश्न पूछे, जिनका डॉ. सेठ ने प्रौढ़ एवं सरल व्याख्या के साथ उत्तर दिया इस संवाद ने विषय पर नई दृष्टि और गहरी समझ विकसित की।

विरासत संरक्षण पर आगे भी होंगे आयोजन

महाविद्यालय की ओर से चोषणा की गई कि आने वाले समय में भारतीय मंदिर विरासत के संरक्षण और अध्ययन को लेकर व्याख्यानमाला, कार्यशाला, प्रदर्शनी और शोध संवाद जैसे विभिन्न अकादमिक आयोजन निरंतर किए जाएंगे। उद्देश्य है कि विद्यार्थियों में भारतीय ज्ञान परंपरा, कला, स्थापत्य और सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी रुचि और जिम्मेदारी की भावना विकसित हो।

“भारतीय मंदिरों में पत्थर भी बोलते हैं।”

रिपोर्ट : राकेश शर्मा ‘राजदीप’

रामगंजमंडी के निलेश जैन एवं रेखा जैन को मिली ऐलक श्री आगत सागर महाराज की पुरानी पिच्छिका

कुंडलपुर में बड़े बाबा की सन्निधि में मिला अनमोल आध्यात्मिक उपहार, परिवार में छाई खुशी



रामगंजमंडी. शाबाश इंडिया। जैन धर्म की साधना परंपरा में पिच्छिका संयम, अहिंसा, करुणा और जीवदया के आदर्शों का प्रतीक मानी जाती है। ऐसी पवित्र पिच्छिका प्राप्त होना किसी भी श्रावक परिवार के लिए विशेष आध्यात्मिक सौभाग्य है। ऐसा ही सौभाग्य रामगंजमंडी निवासी धर्मनिष्ठ निलेश जैन एवं रेखा जैन को कुंडलपुर सिद्धक्षेत्र में बड़े बाबा की पावन सन्निधि में प्राप्त हुआ। उन्हें आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज एवं वर्तमान आचार्य श्री 108 समयसागर जी महाराज के आज्ञानुवर्ती शिष्य, निर्यापक श्रमण 108 समतासागर जी महाराज के संघस्थ ऐलक श्री 105 आगत सागर जी महाराज की पुरानी पिच्छिका प्राप्त हुई। उल्लेखनीय है कि जनवरी माह में ऐलक श्री आगत सागर जी महाराज के रामगंजमंडी आगमन पर निलेश जैन एवं रेखा जैन को उनके आहार एवं चरण वंदना का अवसर मिला था। महाराज श्री के मंगल विहार के दौरान भी पूरा परिवार सेवा में तन-मन-धन से समर्पित रहा। परिवार के लिए यह पिच्छिका केवल एक वस्तु नहीं, बल्कि ऐलक श्री के स्नेह, साधना और आशीर्वाद की अनमोल स्मृति है। संयम एवं अहिंसा के आदर्शों से जुड़ी यह धरोहर परिवार के लिए सदैव श्रद्धा और प्रेरणा का केंद्र बनी रहेगी। निलेश जैन एवं रेखा जैन, हितार्थ के माता-पिता हैं। इस आध्यात्मिक सौभाग्य की सूचना मिलने पर परिवार में हर्ष का माहौल छा गया। रामगंजमंडी के समाजजनों ने भी इस पुण्य अवसर की अनुमोदना की।

अभिषेक जैन लुहाड़िया, रामगंजमंडी

श्रीनिम्बार्क भगवान की 5122वीं जयंती पर निकाली प्रभात फेरी, शोभायात्रा आज



जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री सर्वेश्वर संसद (रजि.) की ओर से सुदर्शन चक्रावतार आद्याचार्य श्रीनिम्बार्क भगवान की 5122वीं जयंती महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। अनंत जगद्गुरु निम्बाकाचार्य पीठाधीश्वर श्री श्यामशरण देवाचार्य ''श्रीजी'' महाराज के सान्निध्य में आयोजित महोत्सव के तहत मंगलवार को श्री आनंदकृष्ण बिहारी मंदिर, चांदनी चौक, त्रिपोलिया गेट से भगवान की भव्य झांकी के साथ प्रभात फेरी निकाली गई। इसमें भक्तजन कीर्तन करते हुए भजन गाते और नृत्य करते हुए शहर के प्रमुख मार्गों एवं मंदिरों से गुजरे। कार्तिक शुक्ल पूर्णिमा पर श्रीनिम्बार्क नवयुवक मंडल के तत्वावधान में निकाली गई प्रभात फेरी श्री आनंदकृष्ण बिहारी मंदिर से प्रारंभ होकर गोविंद देवजी मंदिर, जौहरी बाजार, जलेबी चौक, सिरह ड्योढ़ी, बड़ी चौपड़, गोपालजी का रास्ता एवं चौड़ा रास्ता होते हुए पुनः मंदिर पहुंची। इस अवसर पर अजमेर रोड स्थित हीरापुरा, पावर हाउस के पीछे मंदिर श्रीनिम्बार्क निकुंज बिहारी में भगवान का अष्टद्रव्य से अभिषेक किया गया। शाम 5 बजे श्री आनंदकृष्ण बिहारी मंदिर में बधाई गायन एवं युगल शतक पाठ का आयोजन हुआ। जयंती महोत्सव के तहत 25 नवंबर को चांदनी चौक से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। यह शोभायात्रा श्री आनंदकृष्ण बिहारी मंदिर से प्रारंभ होकर त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार, बापू बाजार एवं चौड़ा रास्ता होते हुए पुनः मंदिर पहुंचेगी। शोभायात्रा का संत-महापुरुषों एवं विशिष्ट अतिथियों द्वारा आरती और माल्यार्पण कर स्वागत किया जाएगा।

नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा के जन्मदिन पर 46 रक्तवीरों ने किया स्वैच्छिक रक्तदान



बूंदी. शाबाश इंडिया। रक्तकोष फाउंडेशन के संस्थापक एवं संरक्षक डॉ. जितेंद्र कुमार सोनी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित रक्तदान जागरूकता सप्ताह (23 से 29 नवंबर) के तहत लक्ष्मण रेखा ट्रस्ट एवं रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी के तत्वावधान में 24 नवंबर को रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। जिलाध्यक्ष एवं ब्लड डोनर नर्सिंग ऑफिसर रामलक्ष्मण मीणा के जन्मदिन पर आयोजित इस शिविर में 46 यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। शिविर के मुख्य अतिथि पीएमओ डॉ. गोविंद गुप्ता ने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन किया। रक्तकोष फाउंडेशन बूंदी के प्रवक्ता रामलाल मीणा, संयोजक लोकेश गोस्वामी, रक्तवीर राजेश खोईवाल एवं हरिओम सामरबा ने शिविर में सहभागिता निभाई और रक्त संग्रह में सहयोग किया।

इन रक्तवीरों ने किया रक्तदान

रामप्रकाश मीणा, रामनिवास मीणा, धनराज मीणा, रामपाल मीणा, हेमराज मीणा, अब्दुल मुफीद, सोनू वर्मा, दिव्यांश राठौर, दीप्तांश राठौर, प्रदीप वर्मा, हेमंत प्रजापत, सोनू खरेड़िया, नरेश गुर्जर, महेंद्र मीणा, आकाश मीणा, नीरज नागर, विष्णु नागर, नफीस अहमद, कालूलाल मीणा, वीरेंद्र मीणा, रितेश मीणा, सुमित गुर्जर, आशू मीना, कुलदीप मीणा, सुनील वर्मा, रविंद्र मीणा, दिनेश मीणा, मूर्ति बाई, शाहरुख, नंदराज मीणा, मीना मीणा, मोहित योगी, मनोज मीणा, मोलत राम गुर्जर, सूरज जैन, लीलाराम मीणा, जितेंद्र मीणा, राकेश मीणा, हनुमान मीणा, शंकर पाटूदिंया, विनोद आचार्य, रेखा आचार्य एवं किशन मीणा सहित अन्य रक्तवीरों ने रक्तदान किया। नंदराज-मीना मीणा एवं विनोद-रेखा आचार्य दंपती ने भी रक्तदान कर प्रेरणा दी। रामलक्ष्मण मीणा ने बताया कि प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को चिकित्सकीय सलाह एवं निर्धारित मानकों के अनुसार नियमित अंतराल पर रक्तदान करना चाहिए, ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके। शिविर में 46 यूनिट रक्त संग्रहित करने में राजकीय ब्लड बैंक बूंदी की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सिद्धचक्र महामंडल विधान का विश्व शांति महायज्ञ के साथ समापन, मुनिश्री सुयश सागर जी का मिला मंगल आशीर्वाद

झुमरीतिलैया. शाबाश इंडिया



विश्व शांति की मंगल भावना के साथ आयोजित 1008 सिद्धचक्र महामंडल विधान एवं विश्व शांति महायज्ञ का अंतिम दिन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर परम पूज्य मुनि श्री 108 सुयश सागर जी, मुनि श्री आदि सागर जी एवं मुनि श्री कौशल्य सागर जी का मंगल सान्निध्य एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ। अंतिम दिन भगवान आदिनाथ का सैकड़ों श्रद्धालुओं एवं इंद्र-इंद्राणियों ने अभिषेक किया। शांतिधारा का सौभाग्य जयकुमार-त्रिशला जैन गंगवाल, प्रदीप-मीरा जैन छाबड़ा, राहुल-आर्ची जैन छाबड़ा, ललित जैन अजमेरा (हजारीबाग), सुशील-ममता जैन काला एवं नीलू-अक्षय सोना जैन गंगवाल को प्राप्त हुआ। इसके पश्चात पंडित अभिषेक शास्त्री के निर्देशन में विधान की धार्मिक क्रियाएं प्रारंभ हुईं। 1024 अर्घ्य एवं श्रीफल सौधर्म इंद्र सहित सभी इंद्रों द्वारा मंडप पर समर्पित किए गए। इस अवसर पर मुनि श्री 108 सुयश सागर जी ने मंगल उद्बोधन में कहा कि सिद्धचक्र महामंडल विधान कराने का सौभाग्य धन-संपत्ति से नहीं, बल्कि पुण्य और सौभाग्य से मिलता है। यह कोडरमा समाज के पुण्य का उदय है कि धर्मनगरी में अनंत सिद्ध परमेष्ठियों की आराधना हुई। उन्होंने कहा कि तप और त्याग से जिन पापकर्मों का क्षय कठिन होता है, सिद्धचक्र विधान की आराधना से उनके क्षय का मार्ग प्रशस्त होता है। अष्टान्हिका महापर्व के दौरान आठ दिनों तक निर्जल उपवास करने वाले संघस्थ मुनि श्री 108 कौशल्य सागर जी, समाज के उपमंत्री नरेंद्र जैन झांझरी, किरण जैन ठोल्या एवं अंकित जैन ठोल्या की समाज की ओर से अनुमोदना की गई। मुनि श्री सुयश सागर जी ने सभी को मंगल आशीर्वाद प्रदान किया। समाज एवं विरागोदय वर्षायोग समिति ने भी तपस्वियों की अनुमोदना की। इसके बाद हवन की धार्मिक क्रियाओं के साथ विधान का समापन हुआ। तत्पश्चात नए जैन मंदिर से गाजे-बाजे के साथ भगवान की शोभायात्रा निकाली गई, जो बड़ा जैन मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। रात्रि में गुरुमुख से णमोकार चालीसा का पाठ किया गया। विधान में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ विरागोदय वर्षायोग समिति के सदस्यों ने सहभागिता निभाई। उक्त जानकारी कोडरमा के मीडिया प्रभारी राजकुमार अजमेरा एवं नवीन जैन ने दी।

जियो का हैप्पी न्यू ईयर ऑफर: 399 रुपए में अनलिमिटेड 4जी-5जी डेटा

399 रुपए के नए फ्लैगशिप प्लान में 28 दिनों तक अनलिमिटेड डेटा और मुफ्त वॉयस कॉलिंग की सुविधा। 3,999 रुपए के सालाना प्लान में 365 दिनों तक अनलिमिटेड डेटा के साथ कैनवा और जियोहॉटस्टार जैसे डिजिटल फायदे



मुंबई. शाबाश इंडिया। नया साल अभी आया नहीं है, लेकिन जियो ने अपने ग्राहकों के लिए अनलिमिटेड डेटा वाला हैप्पी न्यू ईयर ऑफर पेश कर दिया है। कंपनी ने हैप्पी न्यू ईयर 2.0 के तहत अनलिमिटेड 4जी और 5जी डेटा वाले नए प्लान लॉन्च किए हैं। इनमें सबसे खास 399 रुपए का नया फ्लैगशिप प्लान है, जिसके तहत 28 दिनों तक बिना किसी डेटा सीमा के 4जी-5जी इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकेगा। प्लान में मुफ्त वॉयस कॉलिंग और प्रतिदिन 100 एसएमएस की सुविधा भी मिलेगी। यानी वीडियो स्ट्रीमिंग, गेमिंग और सोशल मीडिया के इस्तेमाल के दौरान डेटा खत्म होने की चिंता नहीं रहेगी। कंपनी ने अपनी 10वीं वर्षगांठ के जश्न को आगे बढ़ाते हुए यह ऑफर पेश किया है। हर महीने रिचार्ज कराने से बचने वाले ग्राहकों के लिए कंपनी ने 3,999 रुपए का सालाना प्लान भी पेश किया है। इसमें एक बार रिचार्ज कराने पर पूरे 365 दिनों तक अनलिमिटेड 4जी-5जी डेटा मिलेगा। इसके साथ मुफ्त वॉयस कॉलिंग और प्रतिदिन 100 एसएमएस की सुविधा भी शामिल है। दोनों प्लान की खासियत यह है कि इनमें 4जी और 5जी, दोनों नेटवर्क पर अनलिमिटेड डेटा का लाभ मिलेगा। साथ ही मनोरंजन, डिजाइन और क्लाउड स्टोरेज से जुड़े कई डिजिटल फायदे भी दिए जा रहे हैं। अन्य जियो प्लान इस्तेमाल करने वाले ग्राहकों के लिए भी विशेष ऑफर पेश किए गए हैं। जिन्हें कुछ समय के लिए अधिक डेटा की जरूरत होती है, वे 15 या 25 रुपए का अनलिमिटेड 5जी ऐड-ऑन ले सकते हैं। 15 रुपए के पैक में 1 दिन और 25 रुपए के पैक में 2 दिनों तक अनलिमिटेड 5जी डेटा मिलेगा। कंपनी के अनुसार, इन पैक में डाउनलोड या इस्तेमाल की कोई सीमा नहीं होगी और इंटरनेट की गति भी कम नहीं की जाएगी। देर रात तक गेमिंग, वीडियो देखने या काम करने वाले ग्राहकों के लिए 50 रुपए का नाइट डेटा पैक भी पेश किया गया है। इसमें 28 दिनों तक प्रतिदिन रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक अनलिमिटेड 4जी-5जी डेटा मिलेगा। इस दौरान इस्तेमाल किया गया डेटा मुख्य प्लान की डेटा सीमा से नहीं कटेगा। इससे ग्राहक दिन का डेटा बचाकर रात में भी बिना किसी चिंता के इंटरनेट इस्तेमाल कर सकेंगे।

कमलाबाईजी की 17वीं पुण्यतिथि पर मंदिरों में हुए शांति विधान एवं मंडल पूजन



श्रीमहावीरजी. शाबाश इंडिया। राजस्थान की मदर टेरेसा के रूप में पहचान रखने वाली तथा श्री दिगंबर जैन आदर्श महिला महाविद्यालय की पूर्व संस्थापिका एवं संचालिका ब्रह्मचारिणी कमलाबाईजी की 17वीं पुण्यतिथि पर कस्बे के जैन मंदिरों में विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन हुए। इस अवसर पर मुख्य मंदिर, पार्श्वनाथ कांच वाला मंदिर, कृष्णाबाई माताजी मंदिर एवं शांतिवीर नगर मंदिर में शांति विधान मंडल पूजन किया गया। श्रद्धालुओं ने विधान में अर्घ्य समर्पित किए। मंदिरों में पूजन, अभिषेक एवं शांतिधारा सहित धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। दोपहर 1 बजे महाविद्यालय परिसर में स्थित कमलाबाईजी की प्रतिमा पर महाविद्यालय स्टाफ, छात्राओं एवं क्षेत्र के गणमान्य लोगों ने माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए। इसके बाद विशाल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने उनके जीवन एवं योगदान पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि कमलाबाईजी ने महिला रत्न एवं देवी अहिल्याबाई होल्कर राष्ट्रीय स्तर के शक्ति पुरस्कार से सम्मानित होकर क्षेत्र को महिला उत्थान एवं शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय पहचान दिलाई। उन्होंने अभावग्रस्त अनुसूचित जाति एवं जनजाति के साथ-साथ महिला शिक्षा के प्रति जागरूकता की अलख जगाई और नारी चेतना को नई दिशा दी। वक्ताओं ने बताया कि कमलाबाईजी के बाद संस्था एवं महिला शिक्षा के कार्यों को अध्यक्ष चंद्रप्रकाश पहाड़िया, मंत्री उजास जैन एवं पूर्व अध्यक्ष तथा समाजसेवी समाजरत्न राजेंद्र कुमार गोधा के सुपुत्र शैलेंद्र कुमार गोधा निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. मुकेश शर्मा, विशेष अधिकारी घनश्याम शर्मा, नवीन कुमार जैन, प्राचार्य आर.डी. गुप्ता, प्राचार्य भैरव सहाय शर्मा सहित महाविद्यालय परिवार एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्तिक पूर्णिमा पर श्रीनिम्बार्क भगवान का भव्य महाभिषेक एवं छप्पनभोग आयोजित

बधाई गान एवं भजन-कीर्तन के बीच भक्तों ने हर्षोल्लास से उत्सव मनाया। इस दौरान पुष्प एवं प्रसाद की उछाल हुई। आयोजन के अंतर्गत अखंड अष्टप्रहरी युगल नाम संकीर्तन भी संपन्न हुआ।

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीनिम्बार्क परिषद की ओर से आयोजित श्रीनिम्बार्क जयंती महोत्सव-2026 के अंतर्गत कार्तिक पूर्णिमा एवं आद्याचार्य जयंती के पावन अवसर पर श्रीराधाकृष्ण धाम, श्रीनृसिंह कुटी, अजयराजपुरा में श्रीनिम्बार्क भगवान का भव्य महाभिषेक एवं छप्पनभोग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परम पूज्य महंत श्री वृंदावन दास जी महाराज एवं आचार्य महामंडलेश्वर श्रीमहंत स्वामी श्रीपद्मनाभशरण देवाचार्य जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ भगवान का विभिन्न



औषधियों एवं पवित्र द्रव्यों से महाभिषेक किया। इसके पश्चात छप्पनभोग एवं राजभोग अर्पित किए गए। बधाई गान एवं भजन-कीर्तन के बीच भक्तों ने हर्षोल्लास से उत्सव मनाया। इस दौरान पुष्प एवं प्रसाद की उछाल हुई। आयोजन के अंतर्गत अखंड अष्टप्रहरी युगल नाम संकीर्तन भी संपन्न हुआ। अंत में पंगत प्रसादी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। यह जानकारी निम्बार्क परिषद के महामंत्री अमित शर्मा ने दी।

अष्टान्हिका पर्व के विधान का हवन एवं पूर्णाहुति के साथ समापन





जयपुर. शाबाश इंडिया। अष्टान्हिका पर्व के अंतर्गत आयोजित विभिन्न धार्मिक विधानों का हवन एवं पूर्णाहुति के साथ समापन हुआ। इसी क्रम में दुगार्पुरा स्थित श्री दिगंबर जैन चंद्रप्रभ मंदिर में भी विधान की पूर्णाहुति पंडित दीपक जैन शास्त्री के निर्देशन में संपन्न हुई। कार्यक्रम में श्रावक-श्राविकाओं ने सर्वप्रथम शेष पूजन भक्तिभावपूर्वक संपन्न किया। इसके बाद आर्यिका 105 सम्मेद शिखर जी एवं आर्यिका 105 केवल श्री माताजी के प्रवचन हुए। श्रद्धालुओं ने प्रवचन सुनने के बाद हवन में भाग लिया। पंडित दीपक जैन शास्त्री ने हवन की विधि संपन्न करवाई। श्रावक-श्राविकाओं ने ऋद्धि मंत्रों के साथ घी, धूप एवं अन्य द्रव्यों से आहुतियां दीं। हवन के बाद श्रीफल समर्पित किए गए तथा भगवान चंद्रप्रभ की आरती की गई। इस आयोजन में अशोक-प्रतिभा गोधा, सुमन गोदीका, डॉ. मणि एवं डॉ. शांति जैन मणि का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में मीरा मार्ग स्थित जैन मंदिर में भी दुर्गापुरा मंदिर के मंत्री राजेंद्र कालाजी एवं शीला कालाजी ने हवन कर विधान की पूर्णाहुति की। डॉ. एम.एल. जैन मणि ने सभी श्रावक-श्राविकाओं का आभार व्यक्त किया।

कोलकाता में 200 वर्षों से अधिक पुरानी ऐतिहासिक श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ शोभायात्रा श्रद्धा एवं भव्यता के साथ निकाली गई



कोलकाता. शाबाश इंडिया। कार्तिक पूर्णिमा के पावन अवसर पर आचार्य श्री 108 वसुनंदी जी महामुनिराज ससंघ के मंगल आशीर्वाद से 200 वर्षों से अधिक पुरानी ऐतिहासिक श्री दिगंबर जैन पार्श्वनाथ शोभायात्रा मंगलवार को हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ निकाली गई। शोभायात्रा प्रातः 11 बजे बड़ाबाजार स्थित श्री दिगंबर जैन बड़ा मंदिर से गाजे-बाजे एवं धार्मिक जयघोष के साथ प्रारंभ हुई और शाम लगभग 4 बजे बेलगछिया स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन उपवन मंदिर पहुंची। शोभायात्रा का विशेष आकर्षण रथ पर विराजमान तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य की प्रतिमा रही। श्रद्धालु भक्तिभाव से स्वयं रथ खींचकर ले जाते हैं। हालांकि रथ पर भगवान वासुपूज्य विराजमान होते हैं, लेकिन यह शोभायात्रा भगवान पार्श्वनाथ के नाम से प्रसिद्ध है। शोभायात्रा में जैन धर्म के तीर्थंकरों के पंचकल्याणक गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान एवं मोक्ष सहित अनेक धार्मिक एवं ऐतिहासिक प्रसंगों की आकर्षक झांकियां प्रस्तुत की गईं। इनमें माता के 16 स्वप्न, ऐरावत हाथी, 1008 मंगल कलश, इंद्रध्वज, संसार दर्शन, तपश्चरण एवं उपसर्ग सहन जैसे प्रसंग विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। इस दौरान विभिन्न जैन संस्थाओं एवं विद्यालयों की भजन मंडलियों ने मधुर भजनों और धार्मिक गीतों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। गणेश टॉकीज क्षेत्र में सामूहिक आरती का आयोजन हुआ, जहां श्री दिगंबर जैन अग्रवाल समाज ने भगवान श्रीजी का भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया। शोभायात्रा में जैन समाज के साथ अन्य धर्मों के श्रद्धालुओं, स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारिक समुदाय ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस विभाग का सराहनीय सहयोग रहा। आयोजन ने कोलकाता की धार्मिक सद्भावना, सामाजिक एकता एवं सांस्कृतिक विरासत की सुंदर झलक प्रस्तुत की। बेलगछिया स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन उपवन मंदिर में श्रद्धालुओं के लिए साधर्मी वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई। परंपरानुसार मार्गशीर्ष कृष्ण पंचमी को यह शोभायात्रा समारोहपूर्वक अपने मूल स्थान पर लौटेगी। शोभायात्रा के सफल संचालन में कोलकाता एवं बृहत्तर कोलकाता जैन समाज के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह ऐतिहासिक आयोजन जैन धर्म के अहिंसा, त्याग, तपस्या एवं आध्यात्मिक चेतना के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के साथ कोलकाता की गौरवशाली धार्मिक परंपरा को जीवंत बनाए हुए है।